राजस्थान सरकार
चिकित्सा शिक्षा विभाग

क्रमांक : प 16(31)एम.ई./ग्रुप-1/2012

जयपुर, दिनांक : 11/4/2012

समस्त प्रधानाचार्य मेडिकल कालेज, राजस्थान
समस्त अधीक्षक संलग्न चिकित्सालय, राजस्थान
समस्त मुख्य चिकित्सा एवम स्वास्थ्य अधिकारी, राजस्थान
समस्त प्रमुख चिकित्सा अधिकारी, जिला चिकित्सालय, राजस्थान
समस्त प्रमुख चिकित्सा अधिकारी, सेटेलाईट/उप खण्ड चिकित्सालय, राजस्थान
समस्त प्रभारी चिकित्सा अधिकारी, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, राजस्थान
समस्त 32 अनुमोदित (Approved) प्राइवेट चिकित्सालय, राजस्थान

परिपत्र

बी.पी.एल./ए.पी.एल. रोगियों को अनुमोदित चिकित्सालय में संदर्भित करने के लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रिया

राज्य सरकार द्वारा निजी चिकित्सालयों को राज्य कर्मियों की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने का अनुमोदन इस शर्त के अन्तर्गत किया गया था कि इस प्रकार के अनुमोदित चिकित्सालय प्रतिमाह 5 बी.पी.एल. को निशुल्क चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराएंगे एवं 5 ए.पी.एल. को वित्त विभाग द्वारा निर्धारित दरों पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करायेंगे।

वर्तमान में राज्य के सभी राजकीय चिकित्सालयों में बी.पी.एल./ए.पी.एल. रोगियों को निशुल्क उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। राज्य सरकार द्वारा बी.पी.एल./ए.पी.एल. रोगियों को सरकारी अस्पतालों के अतिरिक्त निजी चिकित्सालयों में भी चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिये राज्य कर्मचारियों हेतु अनुमोदित निजी चिकित्सालयों में बी.पी.एल./ए.पी.एल. रोगियों को उपचार हेतु संदर्भित करने हेतु निम्न प्रक्रिया निर्धारित की जाती है :

1. राज्य के मेडिकल कालेज से सम्बद्ध अस्पतालों में उपचार कराने वाले प्रदेश के किसी भी क्षेत्र के बी.पी.एल./ए.पी.एल. रोगी को यदि सरकारी मेडिकल कॉलेज के अस्पताल में उपचार की प्रतीक्षा सूची लंबी है या किसी विशेष उपचार की सुविधा उपलब्ध नहीं है तो प्रधानाचार्य द्वारा सरकारी मेडिकल कालेज अस्पताल के बोर्ड (जिनमें निम्नलिखित सम्मिलित होंगे) की सिफारिश के आधार पर मान्यता प्राप्त निजी

...1

अस्पतालों में, जहां इस तरह के इलाज की सुविधा उपलब्ध है, में आगे के इलाज के लिए संदर्भित किया जायेगा :

a. अस्पताल का अधीक्षक
b. संबंधित यूनिट का विभागाध्यक्ष
c. उपचार करने वाला चिकित्सक (प्रकरण सर्वप्रथम इनके द्वारा डील किया जायेगा)

2. इस प्रकार के स्थान जहां मेडिकल कालेज नहीं हैं, के जिला अस्पताल में उपचार कराने वाले प्रदेश के किसी भी क्षेत्र के बी.पी.एल./ए.पी.एल. रोगी को यदि सरकारी चिकित्सा केन्द्र के अस्पताल में उपचार की प्रतीक्षा सूची लंबी है या किसी विशेष उपचार की सुविधा उपलब्ध नहीं है तो बी.पी.एल./ए.पी.एल. रोगियों को प्रमुख चिकित्सा अधिकारी द्वारा सरकारी जिला अस्पताल के बोर्ड (जिनमें निम्नलिखित सम्मिलित होंगे) की सिफारिश के आधार पर संबंधित जिले के मान्यता प्राप्त निजी अस्पताल/निकट के अन्य जिले के मान्यता प्राप्त निजी अस्पताल में, जहां इस तरह के इलाज की सुविधा उपलब्ध है, में आगे के इलाज के लिए भेजा जाएगा।
a. अस्पताल का प्रमुख चिकित्सा अधिकारी
b. संबंधित यूनिट का हेड
c. उपचार करने वाला चिकित्सक (प्रकरण सर्वप्रथम इनके द्वारा डील किया जायेगा)

3. बी.पी.एल./ए.पी.एल. रोगियों को अनुमोदित निजी अस्पताल में उपचार हेतु संदर्भ करने वाले राजकीय चिकित्सा संस्थानों तथा अनुमोदित अस्पताल द्वारा उक्त योजना के सुचारू क्रियान्वयन हेतु एक-एक नोडल अधिकारी की नियुक्ति की जायेगी। मेडिकल कालेज के नोडल अधिकारी बी.पी.एल./ए.पी.एल. रोगियों को संदर्भित करने वाली समिति के भी सदस्य होंगे।

4. मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य/जिला अस्पतालों के प्रमुख चिकित्सा अधिकारी द्वारा बी.पी.एल./ए.पी.एल. रोगी को निर्धारित रोग और अस्पताल का नाम जहां के लिये उन्हें संदर्भित किया गया है, का निर्धारित प्रारूप (अनुलग्नक 1) में उल्लेख करते हुए संबंधित निजी अस्पताल को रेफर किया जायेगा। प्रत्येक संदर्भ (रेफरेंस) का एक यूनीक कोड नम्बर होगा जिसका पहला शब्द संबंधित मेडिकल कॉलेज/जिला चिकित्सालय का संक्षिप्त नाम एवं जिला होगा, दूसरा शब्द निजी अस्पताल जहां रोगी को संदर्भित किया गया है का प्रतिनिधित्व करेगा, तीसरा शब्द संचयी रूप से संख्यात्मक होगा जो कि संबंधित निजी अस्पताल में भेजे गये रोगियों की संख्या को दशायेगा तथा चौथा शब्द वर्ष को इंगित करेगा, जैसे कि SMS-JPR/Fortis-JPR/36/2012 उक्त कोड इंगित करता है कि उक्त प्रकरण एस.एम.एस. मेडिकल कॉलेज जयपुर द्वारा फोर्टिस अस्पताल जयपुर में वर्ष 2012 में रेफर किया 36वां मामला है। यह यूनीक कोड रेफरेंस पत्र में दर्शाया जाएगा।

...2

5. बी.पी.एल./ए.पी.एल. रोगियों को संदर्भित करने वाला प्रत्येक सरकारी चिकित्सा संस्थान (मेडिकल कालेज / जिला चिकित्सालय) रोगी को रेफर करने के संबंध में अनुमोदित अस्पतालों के रिकार्ड हेतु एक रजिस्टर रखेगा जिसमें प्रत्येक अनुमोदित अस्पताल जहां रोगियों को संदर्भित किया गया है, के लिये अलग अलग खाते होंगे।

6. संभागीय आयुक्त / जिला कलेक्टर द्वारा इस योजना के निर्बाध क्रियान्वयन हेतु समय - समय पर इस प्रक्रिया की मॉनिटरिंग तथा सुपरविजन किया जायेगा

7. गंभीर बी.पी.एल./ए.पी.एल. रोगियों का सरकारी अस्पताल में आपातकालीन स्थिति में भर्ती होने सरकारी अस्पताल में ही उपचार प्रारम्भ कर दिया जायेगा।

8. किसी शहर में मान्यता प्राप्त अनुमोदित चिकित्सालयों की संख्या के आधार पर बी.पी.एल./ए.पी.एल. रोगियों जो कि रेफर किये जायेंगे का निर्धारण पूर्व में ही कर लिया जायेगा और ऐसे रेफर करने की क्षमता का पूरी तरह से रेफरिंग समिति द्वारा उपयोग किया जाना चाहिए। उपरोक्त नीति के अनुसार पहले आओ पहले पाओ की नीति का पालन किया जायेगा।

9. निजी अनुमोदित अस्पतालों में रेफर किये गये बी.पी.एल./ए.पी.एल. रोगियों का किये गये रेफरेंस के संबंध में पूर्ण उपचार (सर्जरी आदि) होना चाहिये। रेफरिंग समिति द्वारा आवश्यकतानुसार इसकी समीक्षा की जायेगी।

10. किसी निजी अस्पताल में उपचार के बाद फॉलोअप उपचार और आगे का इलाज संबंधित सरकारी अस्पताल में किया जाएगा।

11. सभी संबंधित निजी अनुमोदित चिकित्सालयो द्वारा उनको उपचार हेतु संदर्भित बी.पी.एल./ए.पी.एल. रोगियों का निर्धारित प्रोफार्मा (अनुलग्नक 2) के अनुसार पूर्ण उपचार / निदान का रिकॉर्ड रखना होगा, जिसकी समीक्षा सक्षम प्राधिकारी मुख्यमंत्री बी.पी.एल./ए.पी.एल. जीवन रक्षा कोष द्वारा की जायेगी।

12. बी.पी.एल./ए.पी.एल. रोगियों को निजी अस्पताल में रेफर करने की प्रक्रिया और निजी अस्पताल द्वारा संदर्भ के अनुसार किये गये उपचार आदि से संबंधित मामलों की समीक्षा एम.डी., एन.आर.एच.एम. और राज्य सरकार के अन्य सक्षम प्राधिकारी जो HBAC द्वारा निर्धारित किये जावें, द्वारा की जा सकेगी और इस मामले में उनका निर्णय अंतिम होगा।

13. निजी अनुमोदित अस्पतालों द्वारा बी.पी.एल./ए.पी.एल. रोगियों का उपचार निशुल्क किया जायेगा किन्तु उपचार में प्रयुक्त होने वाले इम्प्लांट की लागत का 50% तक पुनर्भरण मुख्यमंत्री बी.पी.एल./ए.पी.एल. जीवन रक्षा कोष के माध्यम से अनुमोदित अस्पताल जहां उपचार किया गया है, को किया जायेगा। इस संबंध में यह स्पष्ट

किया जाता है कि निजी अस्पताल को किये जाने वाले पुनर्भरण हेतु संबंधित **इम्प्लांट की लागत का 50% राशि का निर्धारण** वित्त विभाग के आदेश दिनांक 16-12-2009 और दिनांक 1-6-2010 तथा इस संदर्भ में समय समय पर जारी आदेशों में दी गई उक्त इम्प्लांटस के पुनर्भरण हेतु निर्धारित वित्तीय सीमा के 50% राशि तक होगा।

14. अनुमोदित अस्पताल द्वारा संदर्भित बी.पी.एल./ए.पी.एल. रोगियों के उपचार के पुनर्भरण हेतु दावा निर्धारित प्रारूप (अनुलग्नक-4) में एम.डी., एन.आर.एच.एम. को प्रस्तुत किया जायेगा।

15. अनुमोदित चिकित्सालयों में संदर्भित किये गये बी.पी.एल./ए.पी.एल. रोगियों के उपचार, पुनर्भरण आदि से संबंधित अंकेक्षण कार्य एन.आर.एच.एम. द्वारा किया जायेगा।

16. अनुमोदित चिकित्सालयों से यह अपेक्षा है कि बी.पी.एल./ए.पी.एल. रोगियों तथा उनके उपचार से संबंधित विवरण मुख्यमंत्री बी.पी.एल./ए.पी.एल. जीवन रक्षा कोष योजना के ऑनलाइन सोफ्ट वेयर पर जिसका वेब पोर्टल http://cmbplrjk.raj.nic.in है, रिपोर्ट करेंगे जिसके लिये अनुमोदित चिकित्सालयों को login address प्रदान कर दिया जायेगा।

17. बिना सक्षम स्तर से रेफर कराये बी.पी.एल./ए.पी.एल. रोगी इस योजना हेतु पात्र नहीं होंगे।

18. मेडिकल कालेज / जिला चिकित्सालय द्वारा जिन बी.पी.एल./ए.पी.एल. रोगियों को **अनुमोदित चिकित्सालय में संदर्भित करना है**, उनको बिना अनावश्यक देरी किये इलाज हेतु रेफर किया जायेगा। इसी प्रकार अनुमोदित चिकित्सालय द्वारा संदर्भित रोगी का बिना देरी किये तत्काल उपचार प्रारम्भ कर दिया जायेगा।

19. अनुमोदित अस्पतालों द्वारा प्रतिमाह उनको संदर्भित किये गये 5 ए.पी.एल. रोगियों के उपचार की सहमति दी गई है। ए.पी.एल. रोगियों को अनुमोदित अस्पतालों में संदर्भित करने के संबंध में भी उक्त प्रक्रिया लागू होगी। किन्तु अनुमोदित चिकित्सालय ए.पी.एल. रोगियों का उपचार राज्य कर्मचारियों हेतु वित्त विभाग द्वारा जारी आदेश दिनांक 16-12-2009, 1-6-2010 तथा इसी संदर्भ में जारी आदेशों में उल्लेखित उपचार की दरों पर ही करेंगे। सभी संबंधित निजी अनुमोदित चिकित्सालयो द्वारा उनको उपचार हेतु संदर्भित ए.पी.एल. रोगियों का निर्धारित प्रोफार्मा (अनुलग्नक 3) के अनुसार पूर्ण उपचार / निदान का रिकॉर्ड रखना होगा।

20. राज्य सरकार द्वारा संदर्भित 5 बी.पी.एल /5 ए.पी.एल. रोगियों के उपचार की सहमति संबंधी एम.ओ.यू. की शर्तों का उल्लंघन करने पर अनुमोदित चिकित्सालय को 30 दिन का नोटिस दे कर अनुमोदित चिकित्सालयों की सूची से अलग करने संबंधी कार्यवाही की जा सकेगी।

2-F

21. किसी भी विवाद की स्थिति में प्रकरण का निपटारा एम.ओ.यू. के प्रावधानों के अन्तर्गत किया जायेगा।

22. इस योजना के सफल क्रियान्वयन एवं पर्यवेक्षण हेतु निम्न कमेटी द्वारा मासिक समीक्षा की जायेगी :

1. एम.डी., एन.आर.एच.एम. (अध्यक्ष)
2. संयुक्त शासन सचिव, वित्त (नियम) विभाग
3. उप शासन सचिव, चिकित्सा शिक्षा विभाग
4. उप शासन सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग
5. पी.डी., मुख्यमंत्री बी.पी.एल./ए.पी.एल. जीवन रक्षा कोष - सदस्य सचिव (बैठक की व्यवस्था हेतु)

23. इस योजना की त्रैमासिक समीक्षा एच.बी.ए.सी. की बैठक में की जायेगी। प्रमुख शासन सचिव, चिकित्सा शिक्षा विभाग तथा प्रमुख शासन सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग प्रगति तथा कठिनाइयों से संबंधित रिपोर्ट एच.बी.ए.सी. की बैठक में प्रस्तुत करेंगे।

24. जिन निजी अस्पतालों को राज्य सरकार द्वारा रियायती दरों पर भूमि इस शर्त पर आवंटित की गई है वे एक निर्धारित संख्या तक बी.पी.एल./ए.पी.एल. रोगियों का निशुल्क इलाज करेंगे। यह स्पष्ट किया जाता है कि ऊपर वर्णित योजना के अनुसार राज्य सरकार द्वारा अनुमोदित अस्पतालों में उपचार हेतु संदर्भित प्रतिमाह 5 बी.पी.एल./ए.पी.एल. रोगियों का उपचार भूमि आवंटन की शर्तों के अन्तर्गत किये जाने वाले बी.पी.एल./ए.पी.एल. रोगियों के उपचार के अतिरिक्त होगा।

<u>अनुलग्नक</u> :

1. बी.पी.एल./ए.पी.एल. रोगियों की रेफर करने का प्रपत्र।
2. अनुमोदित चिकित्सालयों द्वारा रेफर किये गये बी.पी.एल./ए.पी.एल. रोगी का रिकार्ड रखने का प्रपत्र।
3. अनुमोदित चिकित्सालयों द्वारा रेफर किये गये ए.पी.एल. रोगी का रिकार्ड रखने का प्रपत्र।
4. चिकित्सालय में भर्ती बी.पी.एल./ए.पी.एल. मरीज का परिचर्या रिकार्ड।
5. अनुमोदित 32 निजी चिकित्सालयों की सूची।
6. एम.ओ.यू. की प्रति।

(बी.एन. शर्मा)
प्रमुख शासन सचिव
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग

(मुकेश शर्मा)
प्रमुख शासन सचिव
चिकित्सा शिक्षा विभाग

...5

क्रमांक : प 16(31)एम.ई./ग्रुप-1/2012 जयपुर, दिनांक :11/4/2012

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है :

1. प्रमुख सचिव, माननीय मुख्यमंत्री महोदय, राजस्थान।
2. निजी सचिव, माननीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री महोदय, राजस्थान।
3. निजी सचिव, मुख्य सचिव महोदय, राजस्थान।
4. निजी सचिव, प्रमुख शासन सचिव, वित्त विभाग, राजस्थान।
5. निजी सचिव, प्रमुख शासन सचिव, चिकित्सा शिक्षा विभाग, राजस्थान।
6. निजी सचिव, प्रमुख शासन सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, राजस्थान।
7. निजी सचिव, शासन सचिव (वित्त), राजस्थान्

प्रतिलिपि निम्नलिखित को भेज कर अनुरोध है कि कृपया आपके अपने स्तर से समस्त सम्बन्धित अधिकारियों को इस परिपत्र की कठोरता से पालना हेतु निर्देश प्रदान करें ।

1. समस्त संभागीय आयुक्त, राजस्थान।
2. प्रबन्ध निदेशक, एन.आर.एच.एम., राजस्थान।
3. प्रबन्ध निदेशक, आर.एम.एस.सी., राजस्थान।
4. समस्त जिला कलेक्टर, राजस्थान।
5. शासन उप सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य (ग्रुप-2, 3,) विभाग, राजस्थान।
6. निदेशक, जन स्वास्थ्य/परिवार कल्याण/एड्स को प्रेषित कर लेख है कि सभी संबंधित को आपके स्तर से सूचित करावें।
7. परियोजना निदेशक, मुख्यमंत्री जीवन रक्षा कोष, निदेशालय चिकित्सा एवम स्वास्थ्य, जयपुर ।
8. रक्षित पत्रावली।

शासन उप सचिव

...6

Annexure - 1

PROFORMA FOR REFERENCE OF BPL/APL PATIENTS

Shri / Smt. .... son/daughter/wife of Shri .... who is a BPL/APL patient (BPL No. .....) is suffering from ..... (name of disease) is referred to .... Hospital for ..... (details of treatment). This case is referred under the condition of free treatment 5 BPL patients and treatment of APL patients on Government approved rates in the MOU of the approved hospital scheme. The reference is subject to following conditions :

1. Only 50% cost of implant will be reimbursed as per the Finance Department orders dated 16-12-2009, 4-2-2010, 1-6-2010 and subsequent orders in this regard issued from time to time.
2. The approved hospitals will charge from referred APL patients, only the rates given in FD order dated 16-12-2009 and 1-6-2010 and subsequent orders in this regard issued time to time for various treatments and procedures.

The reference No. is **SMS-JPR/Fortis-JPR/36/2012** (as given in point No. 4 of the policy.

Principal and Controller /
Principal Medical Officer

Copy :

1. ..... Hospital
2. MD, NRHM for purpose of Mukhyamantri Jeevan Raksha Kosh.

Principal and Controller /
Principal Medical Officer

Annexure - 2

RECORD OF REFERRED BPL PATIENTS TO BE KEPT BY APPROVED HOSPITALS

S. No.	Name of Patient	Age and Other details	BPL Card No.	Referring Authority	Unique Code of reference	Disease	Date of Admission	Date of Discharge	Cost of Treatment						Details of Reimbursement claim through MMBPLJRK
									Medicine	Implant	Dr. Fee	Hospital Charge	Investigation	Total	50% of the cost of implants used in the treatment as per ceiling of FD order dated 16-12-2009 and 1-6-2010
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16

No. of BPL Patient admitted before this month .....
No. of BPL Patient admitted in this month .....
Total No. of BPL Patient treated upto this month .....
Deficit carried forward .....

Annexure - 3

RECORD OF REFERRED APL PATIENTS TO BE KEPT BY APPROVED HOSPITALS

S. No.	Name of Patient	Age and Other details	Address	Referring Authority	Unique Code of reference	Disease	Date of Admission	Date of Discharge	Cost of Treatment					
									Medicine	Implant	Dr. Fee	Hospital Charge	Investigation	Total
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15

No. of APL Patient admitted before this month .....
No. of APL Patient admitted in this month .....
Total No. of APL Patient treated upto this month .....
Deficit carried forward .....

Annexure - 4

चिकित्सालय में भर्ती बी.पी.एल. मरीज का परिचर्या रिकार्ड

1. रोगी का नाम .....
2. मरीज के पिता / पति का नाम .....
3. उम्र ..... 4. लिंग .....
5. पता .....
6. बीपीएल कार्ड संख्या .....
7. कार्ड धारक का नाम .....
8. कार्ड धारक का मरीज से संबंध .....
9. रेफरेन्स कोड . **SMS-JPR/Fortis-JPR/36/2012**
10. भर्ती होने की दिनांक .....
11. रोग का नाम .....
12. वार्ड / इकाई .....
13. प्रभारी चिकित्सक/चिकित्सक का नाम .....
14. डिस्चार्ज होने की दिनांक .....
15. व्यय का विवरण :

व्यय राशि	पुनर्भरण योग्य राशि
a. औषधियो पर व्यय	शून्य
b. इम्प्लांट/उपकरण	राज्य सरकार द्वारा अनुमोदित दरों का 50 प्रतिशत
c. जांचों पर व्यय	शून्य
d. परिवहन व्यय	शून्य
e. अन्य व्यय	शून्य
f. कुल व्यय	

चिकित्सालय के प्राधिकृत अधिकारी के हस्ताक्षर

संलग्न दस्तावेज :

1. बीपीएल कार्ड की प्रतिलिपि
2. डिस्चार्ज टिकिट की प्रतिलिपि
3. अस्पताल द्वारा जारी किये गये बिल की प्रतिलिपि

GOVERNMENT OF RAJASTHAN
FINANCE DEPARTMENT
(RULES DIVISION)

ORDER

No: F.6(4) FD (rules)/ 2003 Jaipur, dated : 10-9-2010

Sub: Rajasthan Civil Services (Medical Attendance) Rules, 2008 – List of 'Approved Hospitals'.

On the recommendation of the Health Benefit Advisory Committee constituted as per the provisions contained in item (ii) of Rule 4 of Rajasthan Civil Services (Medical Attendance) Rules, 2008, the State Government hereby includes the following twenty nine (29) hospitals, as "Approved Hospitals" as defined in Rule 3(7) of the aforesaid rules, in the Appendix - I of Rajasthan Civil Services (Medical Attendance) Rules, 2008 at Sr. No. 4 to 32 : (1) S.K. Soni, JPR (2) SDMH, JPR (3) [illegible], Ajmer

Multi Specialty Hospitals :

4. Bhandari Hospital and Research Centre, Jaipur
5. Fortis Escorts Hospital, Jaipur
6. Mahatma Gandhi Medical College & Hospital, Jaipur
7. Saket Hospital, Jaipur
8. Tagore Hospital & Research Institute, Jaipur
9. Apex Hospital, Jaipur
10. Jaipur Hospital, Jaipur
11. NIIMS Hospital, Jaipur
12. Mittal Hospital, Alwar
13. Lifeline Hospital, Alwar
14. Ramsnehi Hospital and Research Centre, Bhilwara
15. Kothari Medical & Research Institute, Bikaner
16. Goyal Hospital & Research Centre, Jodhpur
17. Bharat Vikas Parishad Hospital & Research Centre, Kota
18. Fortis Modi Hospital, Kota
19. Jaisawal Hospital & Neuro Institute, Kota
20. Sudha Hospital & Medical Research Centre, Kota
21. Gitanjali Medical College and Hospital, Udaipur
22. Maa Gayatri Hospital, Udaipur
23. Kalpana Nursing Home, Udaipur
24. GBH American Hospital, Udaipur
25. Global Hospital & Research Centre, Mount Abu

Only for Cardiology and CT Surgery Super Specialty Hospitals :

26. Heart & General Hospital, Jaipur
27. Jaipur Heart Institute, Jaipur

D:\FD Rules\orders HBAC.doc

Only for Neurosurgery Super Specialty Hospital :
28. Indowestern Brain & Spine Hospital, Jaipur

Only for Oncology Super Specialty Hospital :
29. Bhagwan Mahaveer Cancer Hospital and Research Centre, Jaipur

Only for Ophthalmology Super Specialty Hospitals :
30. Anand Hospital and Eye Centre, Jaipur
31. Kshetrapal Eye Hospital & Lasic Laser Centre, Ajmer

Only for Cardiology Super Specialty Hospital :
32. Kota Heart Institute, Kota

Note :

(1) The reimbursement of the expenses of treatment in above hospitals will be subject to ceilings issued vide State Government order No.F 6(4) / FD/ Rules/2003 Pt. Dated 16-12-2009 and 1-6-2010.

(2) The rates of various treatments and discounts offered to State Government Employees and Pensioners, in the above hospitals can be seen on the Finance Department website http:// www. finance.rajasthan.gov.in.

10/9/10

(Yaduvendra Mathur)
Finance Secretary (Budget)

Copy Forwarded to-

1. All Additional Chief Secretaries / Principal Secretaries / Secretaries/ Special Secretaries to the Government.
2. All Special Assistants/ Private Secretaries to Ministers /State Ministers.
3. P.S. to Chief Secretary
4. Accountant General Rajasthan, Jaipur (200 Copies)
5. All Sections of the Secretariat.
6. All Heads of the Department.
7. Director, Treasuries and Accounts, Rajasthan, Jaipur with 100 spare copies for sending to all Sub treasury officers.
8. All Treasury Officers.
9. Administrative reforms (Gr 7) with 7 copies.
10. Vidhi Rachana Sanghthan . for Hindi translation.
11. Member Secretary- cum- Director, Pension and pensioners welfare Department, Rajasthan, Jaipur.
12. Analyst cum Programmer, Finance Department.

Copy also to-

1. Secretary, Rajasthan Legislative Assembly, Jaipur with 20 extra copies for Subordinate Legislative committees.
2. Registrar General, Rajasthan High Court, Jodhpur / Jaipur.
3. Secretary, Rajasthan Public Service Commission, Ajmer.
4. Secretary, Lokayukta Sachivalaya, Jaipur

Dy. Secretary Finance (Rules)

(RSR - 29 / 2010)

1.

(CT Surgery)

M.O.U.

This M.O.U. is hereby executed this................ day of ...., 2009 between Government of Rajasthan acting through the Deputy Secretary Medical Education Department, hereinafter called in this M.O.U., the "**State Government**" and referred to as "the First Party" (which expression shall include its successors and permitted assigns) as party of the one part.

And

(Owner/Trust).. having its registered office at ...., acting through the.. (Name of the Hospital & location in the State) hereinafter called in this M.O.U., the "Private Hospital" hereinafter and referred to as "the Second Party" (which expression shall, unless the context requires otherwise, includes its legal heirs, representatives, administrators, successors and permitted assigns) of the Other Part.

WHEREAS

a. THE FIRST PARTY has decided to reimburse the expenses incurred on medical treatment {medicines, investigation and other charges at the rates stated in Rule 8(2) of Rajasthan Civil Services (Medical Attendance) Rules, 2008} to the employees of the State Government of Rajasthan (recruited prior to 1.1.2004) provided by qualified Medical personnel employed by and in the Hospital run by THE SECOND PARTY.

b. AND THE SECOND PARTY is one of the bidders, who has submitted its technical qualifications and agreed with Terms and conditions of EOI, which becomes part of this M.O.U., as agreed upon by the PARTIES.

THEREFORE

THE PARTIES have agreed to sign this M.O.U. on the following terms and conditions of providing Medical / Surgical Health Care services by way of prescription of diagnostic investigations and medicines which are to be reimbursed to the employees of Rajasthan Government under the Medical Attendance Rules of Rajasthan.

1. **DURATION**

(i) The M.O.U. will be effective for 3 years initially and extendable up to 10 years (if the FIRST PARTY so decides. The HBAC will recommend extension after looking at the service rendered. Complaints of employees will also be placed before the committee.).

(ii) The FIRST PARTY is free to terminate the M.O.U. if deemed appropriate at any point of after giving one month notice to the SECOND PARTY.

2. ICU

The Second Party shall maintain well equipped ten bed intensive care unit. Each bed having following facility

a. Multi position electric ICU bed
b. Ventilator on every bed
c. Multi channel multi parameter cardiac monitor
d. Three syringe pump per bed
e. Bedside defibrillator facility
f. Bedside blood gas facility in ICU
g. Central supply of all the gases
h. Intra aortic balloon pump.
i. Bed side facility of echocardiography

3. **Availability of qualified Consultants:**

The Second Party shall have

1. At least one unit consisting of three specialists with M.Ch. Degree in CT surgery. At least one specialist should have experience of 5 years. These Specialists should be on permanent rolls.
2. Six resident doctors.
3. Two senior consultants of cardiac anaesthesiology with at least five years experience
4. Three resident cardiac anaesthetists
5. Perfusionist
6. Eight cardiothoracic trained nurses (two operating theatres)
7. Man power for ten bed cardiothoracic surgery ICU
8. Nurse ratio one : one patient with adequate numbers of ward boys and cleaning staff.

4. **Casualty Medical Services:**

The Second Party shall mandatory operate round the clock Casualty Medical Services manned by consultants of critical care. CMC should be equipped with availability of Oxygen, Defibrillator and ventilator and other life saving equipments.

5. **Essential Laboratory Diagnostic Services:**

The Second Party shall maintain

1. Two well equipped operation theatres with adequate facility to perform open heart operations, vascular surgery and thoracic surgery including VAT, with following equipments per theatre means two number of each item:-
   a. Heart lung machine pump
   b. High tech operating light with satellite attachments
   c. High tech Operation table
   d. High tech anaesthesia machine with ventilator
   e. Multi channel multi parameter cardiac monitor
   f. High quality defibrillator
   g. Blood gas machine
   h. ETO facility for sterilisation.

i. Adequate number of operating instruments.
j. Head light
k. Syringe pumps four per table
l. Intra aortic balloon pump
m. facility of intraoperative trans oesophageal echocardiography (portable)
n. Central supply of oxygen, compressed air, nitrous, suction and carbon di oxide.
o. Temporary pacing facility

6. **Infrastructure:**

The Second Party shall maintain

1. Two well equipped operation theatres with adequate facility to perform open heart operations, vascular surgery and thoracic surgery including VAT, with following equipments per theatre means two number of each item:-
   a. Heart lung machine pump
   b. High tech operating light with satellite attachments
   c. High tech Operation table
   d. High tech anaesthesia machine with ventilator
   e. Multi channel multi parameter cardiac monitor
   f. High quality defibrillator
   g. Blood gas machine
   h. ETO facility for sterilisation.
   i. Adequate number of operating instruments.
   j. Head light
   k. Syringe pumps four per table
   l. Intra aortic balloon pump
   m. facility of intraoperative trans oesophageal echocardiography (portable)
   n. Central supply of oxygen, compressed air, nitrous, suction and carbon di oxide.
   o. Temporary pacing facility

7. OPD

The Second Party shall MaintainAdequate space for OPD

8. **Hospital Waste Disposal System:**

The Private Hospital shall mandatory follow norms for disposal of Biomedical waste laid down in Government of India Biomedical Waste Disposal (Management & Handling) Rules 1995, 1998 and Environment (Protection) Act.

9. (i) The Private Hospital shall not refuse to the incumbent employee of Rajasthan Government to provide any Medical / Surgical treatment available in the Hospital.

(ii) The identification of Government employees shall be done by the private hospitals on the basis of the following :

(a) The DDO's certificate on plain paper.
(b) Any identification issue by competent authority in the State Government.
(c) Declaration by the employee himself at the time of admission, to be followed by (a) or (b) in reasonable time.

10. Reference for higher / specialised treatment:

The Private Hospital shall, in case of non availability of any treatment/ specialised treatment in the hospital, refer the patient to an attached Hospital of Government Medical Colleges, and not to any other Private Hospital/ Institution.

11. Treatment of BPL patients and Above Poverty Line Poor patients:

The "Private Hospital" will mandatorily treat 5 BPL patients free of cost on reference from the State Government and 5 APL poor patients on the rates given in circular dated 16-12-2009 and 1-6-2010. The cases referred by State Government/ Government Medical Colleges of BPL will be accepted by the Second Party

12. Inspection by the Committee:

Representatives appointed by the Chairperson of The Health Benefits Advisory Committee of Government of Rajasthan or Divisional Commissioners / Collectors can inspect the hospital during M.O.U. period to ascertain that the parameters of approval are being maintained properly by the Hospital.

13. Penalty in case of violation of conditions of M.O.U.:

If at any stage, during the period of M.O.U., the private hospital violates any of the conditions of the M.O.U., especially the prescribed standards, the defaulting hospital will be removed from the scheme, after giving 30 days Notice. The Civil and Criminal Liability lies with the SECOND PARTY, if any case is instituted against them.

14. Single Point Responsibility:

The SECOND PARTY shall be solely responsible for acts and performance of the Medical personnel, ethical and professional code of conduct for Medical services to provide to the employees of Rajasthan Government, administration, cleanliness, control of infections and full and true implementation of the Terms and Conditions of this M.O.U..

15. Dispute Resolution:

If any dispute or difference arises between the parties relating to any matter arising from or touching upon this M.O.U., the same shall be referred to the Chairman of Health Benefits Advisory Committee of Government of Rajasthan for resolution. If such disputes or differences are not settled within thirty (30) days of reference of the dispute or difference, the same shall be resolved by Arbitration as per the Indian Arbitration Act, 1995. All legal proceedings, if necessary to institute may by any of the parties (Government or Private Hospital) shall have to be lodged in the

courts situated in Jaipur (Rajasthan) and not elsewhere, but no such dispute shall be lodged with Court of Law, without recourse to finalization of Arbitration Proceedings. The arbitration fees will be shared equally by the disputing parties only if the State Government loses the case, otherwise the Arbitration fees will be borne by the second party.

16. Clause of Rates : The second party will display properly at the reception, Laboratory and Web site the rates of various Diagnostic tests, Operation Charges, Cost of Implants, Dialysis and Blood Bank Charges and Accommodation Charges along with the discounts offered to State Government employees.

In witness thereof, the parties hereto have caused this M.O.U. to be executed on the day and year first above written.

For and on behalf of

First Party

For and on behalf of

Second Party

Authorized Signatory

Witness:

Witness: